UP ने नए विश्वविद्यालयों और रोज़गारों को मंज़ूरी दी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने **शिक्षा** की गुणवत्ता में सुधार और **रोज़गार** के अवसरों को बढ़ाने के लिये महत्त्वपूर्ण **नीतियों एवं पहलों** को स्वीकृति दी है।

मुख्य बिंदु

- **नीति अनुमोदन:**
  - शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और रोज़गार को बढ़ावा देने के लिये कैबिनेट द्वारा **'उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति, 2024'** को मंज़ूरी दी गई ।
  - इसमें निम्नलिखित प्रावधान शामिल हैं:
    - स्टाम्प ड्यूटी में छूट
    - पूंजीगत सब्सिडी
    - प्रायोजक निकायों के लिये विशेष प्रोत्साहन
    - शीर्ष 50 रैंक वाले विश्वविद्यालयों के लिये अतिरिक्त लाभ
- **नये निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना:**
  - दो नये निजी विश्वविद्यालयों को मंज़ूरी दी गई:
    - **राजीव मेमोरियल एकेडमिक वेलफेयर सोसाइटी द्वारा मथुरा** में **के.डी. विश्वविद्यालय** की स्थापना की जाएगी ।
    - **विद्या बाल मंडली द्वारा मेरठ** में **42.755 एकड़ परिसर** में **विद्या विश्वविद्यालय की** स्थापना की जाएगी ।
- **उच्च शिक्षा पर प्रभाव:**
  - इसका उद्देश्य स्थानीय उच्च शिक्षा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये निजी निवेश को बढ़ाना है।
  - उत्तर प्रदेश में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुँच प्रदान करता है।
  - इससे युवाओं के लिये प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के रोज़गार के अवसर उत्पन्न होने की आशा है।
- **स्वरोज़गार योजना:**
  - स्वरोज़गार को बढ़ावा देने के लिये नई योजना शुरू की गई:
    - सूक्ष्म उद्यमों और सेवा क्षेत्र में **परियोजनाओं के लिये 5 लाख रुपए तक के ऋण** पर सब्सिडी ।
    - **10 वर्षों में 10 लाख सूक्ष्म इकाइयाँ** स्थापित करने का लक्ष्य।
    - **प्रतिवर्ष 1 लाख शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं** को सहायता।
  - **पात्रता और फोकस/केंद्र:**
    - आवेदकों के लिये आवश्यक है कि उन्होंने कम से कम **आठवीं कक्षा तक की शिक्षा** प्राप्त की हो।
    - **इंटरमीडिएट स्तर की शिक्षा** वालों को प्राथमिकता।
    - इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में **रोज़गार को बढ़ावा देना है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/up-approves-new-universities-jobs